B.A III / Sem VI प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक अवधी काव्य (प्रश्नोत्तरी)

1. अवधी का आरम्भिक साहित्यिक रूप किस ग्रंथ में दिखता है
   –राउरवेल (ग्यारहवींशती)
   –प्राकृत पैंगलम् (चौदहवी शती)
2. ठेठ अवधी का प्रथम ग्रंथ कौन है?
   –मुल्लादाउद कृत चन्दायन
3. आधुनिक अवधी के प्रमुख कवियों के नाम
   –वंशीधर शुक्ल, रमईकाका, त्रिलोचन
4. बलभद्र प्रसाद दीक्षित की अवधी भाषा की एक मात्र कृति का नाम
   –चकल्लस (1933)
5. अवधी कवि गुरू प्रसाद सिंह 'मृगेश' का पौराणिक महाकाव्य है
   –पारिजात
6. आधुनिक अवधी साहित्य में हास्य व व्यंग्य के लिए कौन प्रसिद्ध है
   –चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमईकाका'
7. रमईकाका की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम बतायें
   –भिनसार, गुलछर्रा, फुहार
8. त्रिलोचन जी की अवधी कृति का नाम
   –अमोला
9. पढ़ीस की समाज को दर्शाने वाली अवधी रचनायें
   –बिटिया, मनई, लरिका
10. 'पढ़ीस' की प्रकृति को चित्रित करती कवितायें
   –स्वनहुली श्यामा, परछाही, चरवाहु
11. पं0 वंशीधर शुल्क का परिचचय दें
   –अवधी के अग्रगण्य कवि
   –स्वाधीनता आन्दोलन, नामक सत्याग्रह में भाग लिया
   –किसान कांग्रेस नामक संस्था का गठन किया
12. वंशीधर की सामाजिक, उत्पीड़न कृषक जीवन से संबंधित अवधी काव्य
   –राम मड़ैया, किसान की अर्जी, राजा की कोठी
13. 'रमईकाका' का पूरा नाम बतायें

–पं0 चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमईकाका'

14. रमई काका की प्रसिद्धि का कारण बतायें
   –वे मूलतः ग्राम्य परिवेश के कवि हैं
   –उनका काव्य ओज, प्रसाद व माधुर्य गुणों से भरपूर है।
   –उनके काव्य में ग्राम्य जीवन व नगरीय संस्कृति दोनों हैं
   –हास्य व व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से प्रहार करते हैं तो सीख भी देते चलते हैं।
   –गुलछर्रा उनकी उत्कृष्ट व्यंग्य कृति है
15. रमई काका का आकाशवाणी का लोकप्रिय कार्यक्रम कौन सा था
   –'बहिरे बाबा'
16. झींसी फांका बूंदी, भिनसार, बरखा के अवाती उनकी पावस ऋतु से संबंधित कवितायें है।

(डा0 रचना)

असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
पं0 दीनदयाल उपा0 राज0 महिला
स्ना0 महा0 राजाजीपुरम
(लखनऊ)

B.A III / Sem VI आधुनिक ब्रजभाषा काव्य (प्रश्नोत्तरी) । द्वितीय प्रश्न पत्र

1. ब्रज भाषा का विकास किससे हुआ है?

   उत्तर : सौरसेनी अपभ्रंश से

2. ब्रज की एक प्रमुख विशेषता क्या है?

   उत्तर : ब्रजभाषा ओकारान्त है। उकार बहुला है

3. तुलसीदास की ब्रजभाषा की प्रमुख रचनायें व उनकी विशेषता क्या है?

   उत्तर : कवितावली, गीतावल व विनयपनिका ब्रज की रचनायें हैं।

   कवितावली में पुरूषभाव की प्रधानता है।

   गीतावली में कोमल व माधुर्यभाव की प्रधानता है।

   विनयपत्रिका में विनय पद्धति का पुष्ट रूप है

4. ब्रजभाषा के प्रथम कवि किसे मानते हैं?

   उत्तर : ग्वाल कवि को।

5. भारतेन्दु ने कौन सी पत्रिकायें निकाली?

   उत्तर : कविवचनसुधा, हरिश्चन्द्र मैगजीन।

6. भारतेन्दु युग के प्रमुख लेखकों का नाम बतायें

   उत्तर : पं0 प्रताप नारायण मिश्रा, श्री बालकृष्ण भट्ट, श्री निवास दास

7. भारतेन्दु के ब्रजकाव्य में भक्ति का कौन सा रूप मिलता है?

   उत्तर : सख्यभाव भक्ति तथा विनय भाव भक्ति।

8. भारतेन्दु जी ने ब्रजकाव्य के अन्तर्गत किन छन्दों का प्रयोग किया

   उत्तर : कवित्त, सवैया, छन्दों का प्रयोग

9. भारतेन्दु जी किस सम्प्रदाय में दीक्षित थे?

   उत्तर : बल्लभ सम्प्रदाय में

10. ब्रजभाषा के प्रमुख कवियों का नाम बतायें

    उत्तर : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ0 जगदीश गुप्त, जगन्नाथदास रत्नाकर, गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'

11. जगन्नाथ दास रत्नाकर ब्रजभाषा में काव्य रचने से पहले उर्द् में कवितायें किस नाम से लिखते थे?

उत्तर : 'जकी' नाम से

12. रत्नाकर ने किन पत्रिकाओं का सम्पादन किया?

उत्तर : साहित्य सुधानिधि तथा सरस्वती।

13. रत्नाकर जी की काव्यकृतियों के नाम बतायें?

उत्तर : हिंडोला, गंगावतरण, उद्ववशतक, हरिशचन्द्र।

14. रत्नाकर की सर्वश्रेष्ठ कृति उद्धवशतक की विशेषता बतायें।

उत्तर : –सम्पूर्ण काव्य 118 कवित्तों में रचा गया है।

– यह भ्रमरगीत की परम्परा का काव्य है।

15. भारतेन्दु जी की ब्रजभाषा की प्रमुख काव्य कृतियों के नाम बतायें?

उत्तर : प्रेम प्रलाप, कृष्णचरित्, प्रेम तरंग, विनय प्रेम पचासा

16. ब्रजभाषा की विशेषतायें

–यह उकार बहुला है।

–इसका आरम्भ सातवी से दसवीं शती के बीच हुआ।

– ब्रजभाषा भाषा न होकर एक बोली है।

(डा0 रचना)